भोले बाबा वरदानी (बैधनाथ की कहानी) | By Avinash Dhenwal

भोले बाबा वरदानी भक्तों को बुलाते हैं
अपने भोले भक्तों की बिगड़ियाँ बनाते हैं

सोहे ललाट चंदा बहती है जटा से गंगा
मीठी मीठी गंगधारा भक्तों की पिलाते हैं
भोले बाबा वरदानी भक्तों को बुलाते हैं

जाते लाखो कांवरिया बोल बम का जपते नारा
पार करते सबकी नैया बिछुडो को मिलाते हैं
भोले बाबा वरदानी भक्तों को बुलाते हैं

रावणेश्वर हुआ नाम कहते जिसको बाबा धाम
मुझे याद आ रही है देवघर की वो कहानी
भक्तो के मुख से मैंने सुनी है शिव कहानी
कैसे बिराजे बाबा देवघर में भोले दानी
करते कल्याण सबका जग के वो अन्तर्यामी
एक भक्त शिव का रावण करके कड़ी तपस्या
कहने लगा भोले से अपनी सारी समस्या
कैलाश पर्वत पर पड़ता है आना मुझको
बाबा चलो मेरे संग पूजा करूँ मैं तुझको
अपने भक्त रावण की सुनकर के बात सारी
प्रसन्न हो शिव बोले एक शर्त है हमारी
आत्मलिंग की शकल में चलूँगा तेरे संग में
लेकर के सीधे चलना ये सोच ले तू मन में
घमंड में रावण ने बिन सोचे हाँ कर दीन्हि
चल दिए भोले बाबा शिव भोले त्रिपुरारी
कुछ दूर जब आये घनघोर एक जंगल था
रावण नज़र घुमा के बैजू भगत को देखा
बुला के पास बोलै थोड़ा इसे पकड़ना
करनी है लघुशंका इसे धरती पे मत रखना
आया ना जल्दी रावण कुछ देर तक वो देकर
फिर बैज ग्वाले ने धरती पे शिव को रखा
फिर चल दिए वहां से जब लौट रावण आया
देखा ज़मीं पे शिव को वो क्रोध से झुंझलाया
कोशिश किया बहुत वो शिवलिंग को उठा लू
अपने भोले बाबा को लंका में मैं बसा लूँ
लेकिन घमंडी रावण उठा नहीं जब पाया
अपने भुजा की ताक़त शिवलिंग पे आज़माया
अपने वो कल बल से आज़माने लगे शिव को
क्रोधित होके रावण दबा दिया शिवलिंग को
तब बाबा भोलेदानी प्रगट हुए शिवलिंग से
प्रसन्न होके बोले अपने भक्त रावण से
रहूँगा स्थापित मैं ना जाऊंगा यहाँ से
जानेगी सारी दुनिया रावण तेरे ही नाम से
रावणेश्वर हुआ नाम कहते जिसको बाबा धाम
छीतर अविनाश को हर साल देवघर बुलाते हैं
भोले बाबा वरदानी भक्तों को बुलाते हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%a7%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%95/